



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई विल्ली, शनिवार, अप्रैल 13, 1985 (चैत्र 23, 1907)

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 13, 1985 (CHAITRA 23, 1907)

इस भाग में चिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएँ

361

भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएँ

465

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएँ

1

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएँ

169

भाग II—खंड I—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

*

भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिस्सी वाला में प्राप्तिहृत पाठ

*

भाग II—खंड 2—विवेदक तथा विवेदकों वर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट

*

भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ कालिक दोहों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियाँ आदि थे जारी हैं)

*

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ कालिक दोहों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ

*

* उप संख्या आरो दी हुई।

भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ कालिक दोहों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राप्तिहृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)

भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश

भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा बायोग, भेलवे प्रांतालयों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ

12277

भाग III—खंड 2—ऐटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएँ और नोटिस

343

भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन वरदा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएँ

भाग III—खंड 4—विवेदक अधिसूचनाएँ जिनमें सांविधिक नियमों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएँ, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

भाग IV—गैर-सरकारी अवित्त और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन घोर नोटिस

965

भाग V—संघेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के प्राप्तिहृत दो विद्यालय द्वारा अद्यपूरक

59

CONTENTS

	PAGES	PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	361	
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	465	
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	468	
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	
PART II—SECTION 2—Bills, and Reports of the Select Committee on Bills	*	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (I)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)		
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence		
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India		12277
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta		343
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners		—
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies		965
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies		59
PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चस्तव न्यायालय द्वारा आरी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई विस्ती, दिनांक 30 मार्च 1985

सं० ३२-प्रेज/८५—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निर्मांकित प्रधिकारियों
को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहै प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

(मरणोपराम्)

संपा शी/850

प्रतिसंज्ञा-विरीक्षण

५४८

श्री महाकाल मित्र

Page 225/227

१० ३२३

Digitized by srujanika@gmail.com

सेवार्थी का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

4 जून 1984 को पांच बजास्त डाक्टर्सों ने न्यू रोहतक रोड, नई विल्सोन में स्टेट वैन का धाक बोकानेर और जप्पुर में प्रवेश किया और खजांची से पिस्तौल दिखाकर 2,82,000 रुपए और 1,25,000 रुपए नकद लूट निए। इकेती दो सूचमा कंधीन में कार्य करने वाले एक लड़के ने पुलिस चौकी के प्रभारी उप-नियोगीक जसवन्त सिंह को बी। श्री जसवन्त सिंह, उप-नियोगीक, श्री चरण सिंह, पुलिस सहायक उप-नियोगीक, श्री मलकियत सिंह, हैड कास्टेबल के साथ भप्ते स्कूटर पर तुरम्प थडनास्थल पर गए। पुलिस वक्त को टेक्कर डाकू बैंक से आहर निकल आये और उन्होंने आधारभूत गोलीबारी शुरू कर दी। एक गोली श्री जसवन्त सिंह के हाथ में लगी लेकिन वह चिकित्सा नहीं हुए और उनको लालकारा। अपने जीवन की परवाह न करते हुए श्री जसवन्त सिंह, उप-नियोगीक और हैड कास्टेबल मलकियत सिंह अपराधियों की ओर बढ़ते रहे। श्री जसवन्त सिंह को पुनः गोली लगी जो घातक सिद्ध हुई तथा वे गिर पड़े। परन्तु श्री मलकियत सिंह तब तक अपनी लाठी छलाते रहे जब तक वे भी अपराधियों द्वारा चलाई जा रही गोलियों से भ्रस्त मर्यादा नहीं हो गए। इस दौरान सहायक उप-नियोगीक चरण सिंह ने, जिसे आधारस्थल मिल गया था, अपराधियों पर गोली चलाई दी। तब अपराधियों ने बक निकलने का निर्णय किया। बचकर आग निकलने की जल्द आजी में डाकू सारी लटी हुई बन राशि पांच लोड गए। श्री जसवन्त सिंह और श्री मलकियत सिंह को बाढ़ा ०८० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में से जाया गया जहाँ श्री जसवन्त सिंह को मत घोषित कर दिया गया।

श्री जवाहर सिंह, उप निरीक्षक और श्री मलकियत सिंह, हैंड कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय किया।

ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावसी के नियम 4(i) के प्रमाणांगत धीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के प्रमाणांगत विनेश स्वीकृत भर्त्ता भी दिनांक 4 जन 1984 से विया जाएगा।

सं० ३३-प्रैषा/८५—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नांकित प्राधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रबान बनाये हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री नन्द कमारू उमाकाम्त गोखले,

(मरणोपरामृत)

पलिस उप-क्लीव

四

三

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रशान्त किया गया :

18 मई 1984 की रात को बम्बई नगर के विभिन्न भागों में दो समृद्धायों के भीच गम्भीर साम्प्रदायिक वारदातें और दर्जे भड़क उठे। नागपाड़ा याने के सभी कर्मचारी शहर में विधि और ध्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात कर दिए गए। उसी दिन लगभग 22.15 बजे कामाखियुरा में दो सम्प्रदायों के भीच झगड़े की एक बड़ी घटना के सम्बन्ध में थाना नागपाड़ा में सूचना प्राप्त हुई। उस समय थाने में फौही बल उपलब्ध नहीं था। उप-निरीक्षक नन्द कुमार उमाकान्त गोद्वारे ने इतिहास की अत्यावश्यकता और गम्भीरता को महसूस करते हुए तथा कर्तव्य प्राप्तिणा को ध्यान में रखते हुए मोटर साइकिल पर एक अन्य पुलिस उप-निरीक्षक को ध्यान में लिया और घटनास्थल की तरफ गए। वहाँ पहुंचने पर मानूस हुआ कि एक दूसरे पर निस्संकोच रूप से पल्पर, सोडा बाटर की बोनेम और अन्य बहुतुपंक्ति की जा रही थी जिसके कारण दोनों समुदायों के लोग गम्भीर रूप से ध्यान द्दा रहे थे। दोनों पुलिस उप-निरीक्षक भीड़ को नियंत्रित करते की कोशिश कर रहे थे किन्तु अपकर्त रहे। उप-निरीक्षक भीड़ले से केवल 3 पुलिस कर्मचारियों की सहायता से हिस्सक भीड़ का पीछा किया। उन्होंने घरेले ही उतको पीछे छोड़ने की कोशिश की और उतको तितर-बितर कर दिया। हमुकार्ट दृष्टि में वे भीड़ के अम्बर धूस गये और पुलिस दल के अन्य सदस्यों से उतका सम्पर्क टूट गया। अधिकारी और क्षेत्र की सघनता का सामना उठाते हुए बदमाशों ने उप-निरीक्षक गोद्वारे को चेर लिया तथा दबोच लिया और वही निर्देशित से उतकी हत्या कर दी।

इस प्रकार श्री नन्द कुमार उमाकाम्त गोदाले, उप-निरीक्षक, ने मध्यस्थी मुरक्खा की परवाह न करते हुए उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की क्रतुव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह प्रदक्षिण पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी विनांक 18 मई 1984, से दिया जाएगा।

सं० 34—प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री विक्रम सिंह,
पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक,
एटा ।

श्री अशोक कुमार रावत,
पुलिस उप-निरीक्षक,
ग्रालीगंज,
जिला एटा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

19 मई 1982, की शाम को सूचना प्राप्त हुई कि डाकू पोथी भ्रपने गिरोह सहित थाना ग्रालीगंज के अन्तर्गत गांव विथेरा के निकट एकत रहे थे। डाकू पोथी लगभग 52 जघन्य अपराधों में अन्तर्गत था और नायपुर मालने में जिसमें थाना ग्रालीगंज के प्रभारी निरीक्षक, 9 पुलिस कर्मचारी और 3 अधिकारियों की मृत्युंसं रूप से हत्या कर दी गयी थी, के लिए उत्तरवाची था। पुलिस उसे पकड़ना चाहती थी और उसे जीवित अथवा मृत रूप से पकड़े जाने के लिए 10,000/- रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था।

उपलब्ध पुलिस बल को एकत्रित किया गया और गिरोह को तीन तरफ से घेरने का निर्णय किया गया। श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, तीन दलों में से एक का नेतृत्व कर रहे थे। श्री अशोक कुमार रावत, उप-निरीक्षक, इस सक्रिया में श्री विक्रम सिंह की सक्रिय रूप से सहायता कर रहे थे। डाकुओं को अन्तर्गत समर्पण करने के लिए कहा गया किन्तु उन्होंने पुलिस दल पर अन्धाधून्ध गोली चलानी शुरू कर दी। वे दुक्षों, नालियों और वीकारों के बारे तरफ निर्णयों के कारण अच्छी स्थिति में ये लेकिन पुलिस दलों की तरफ हथगोला फौंकों जो श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, के बहुत निकट प्राकार कठा परन्तु वे अद्भुत रूप से बच गए। तब डाकुओं ने स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से भारी गोलाबारी की। डाकुओं की भारी गोलाबारी और भयंकर आक्रमण के बावजूद पुलिस दलों ने आक्रमण शुरू किया और वे दो डाकुओं पुष्टा तथा पोथी को मारने में सफल हो गए। उनसे बैगजीन में 4 रोट सहित एक स्टेनगन और 18 चालु कारतूस, एक, .303 सर्विस राइफल सहित 36 कारतूस बरामद किए गए।

इस मुठभेड़ में श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक और श्री अशोक कुमार रावत, पुलिस उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भक्ता भी विमांक 19 मई, 1982 से दिया जाएगा।

सं० 35—प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री अमर सिंह, (द्वितीय बार),
पुलिस उप-अधीक्षक,
ग्रालीगंज,
जिला एटा ।

श्री राम चरण सिंह, (प्रथम बार),
पुलिस निरीक्षक,
ग्रालीगंज,
जिला एटा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

19 मई 1982, की शाम को सूचना प्राप्त हुई कि डाकू पोथी भ्रपने गिरोह सहित थाना ग्रालीगंज के अन्तर्गत गांव विथेरा के निकट एकत रहे थे। डाकू पोथी लगभग 52 जघन्य अपराधों में अन्तर्गत था और नायपुर मालने में थाना ग्रालीगंज के प्रभारी निरीक्षक, 9 पुलिस कर्मचारी और 3 अधिकारियों की नृशंस

रूप से हत्या की गयी थी, के लिए उत्तरवाची था। पुलिस उसे पकड़ना चाहती थी और उसे जीवित अथवा मृत रूप से पकड़े जाने के लिए 10,000/- रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था।

उपलब्ध पुलिस बल को एकत्रित किया गया और गिरोह को तीन तरफ से घेरने का निर्णय किया गया। श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक और श्री राम चरण सिंह, पुलिस निरीक्षक, तीन पुलिस दलों में से दो का नेतृत्व कर रहे थे। डाकुओं की प्रात्मसमर्पण करने के लिए कहा गया किन्तु उन्होंने पुलिस पर अन्धाधून्ध गोली चलानी शुरू कर दी। वे दुक्षों, नालियों और वीकारों के बारे तरफ निर्णयों के कारण अच्छी स्थिति में ये लेकिन पुलिस दलों की तरफ हथगोला फौंकों जो श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, के बहुत निकट प्राकार कठा परन्तु वे अद्भुत रूप से बच गए। तब डाकुओं ने स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से भारी गोलाबारी की। डाकुओं की भारी गोलाबारी और भयंकर आक्रमण के बावजूद पुलिस दलों ने आक्रमण शुरू किया और वे दो डाकुओं पुष्टा तथा पोथी को मारने में सफल हो गए। उनसे बैगजीन में 4 रोट सहित एक स्टेनगन और 18 चालु कारतूस, एक, .303 सर्विस राइफल सहित 36 कारतूस बरामद किए गए।

इस मुठभेड़ में श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक और श्री राम चरण सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भक्ता विमांक 19 मई 1982 से दिया जाएगा।

सं० 36—प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री विक्रम सिंह (प्रथम बार),
पुलिम बरिष्ठ अधीक्षक,
एटा ।

श्री अमर सिंह, (द्वितीय बार),
पुलिस उप-अधीक्षक,
एटा ।

श्री राम चरण सिंह, (द्वितीय बार),
पुलिस निरीक्षक,
ग्रालीगंज,
एटा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

22 मार्च 1982, को एक मुखियर ने सूचित किया कि महाबीर भ्रपने गिरोह के माध गांव अहान नगर, थाना ग्रालीगंज में उपस्थित था। शुरूस पांच डाकामार दल बनाए गए। श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, और श्री शांति स्वरूप सर्माई, कम्पनी कमाण्डर, पी० ए० सी०, ग्रामारा, मुख्य आक्रमण दल में थे। श्री राम चरण सिंह को बिना बढ़ी में दल का प्रभार दिया गया जिसको एक निरोधक दल के रूप में कार्य करना था। पुलिस के पहुंचने का आभास होने पर गिरोह ने भारी गोली-बारी शुरू कर दी और गोलाबारी की आड़ में बच कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने गिरोह का पीछा किया और भारी तथा लगातार गोलाबारी के बावजूद बचकर भाग निकलने के मार्ग बद्द कर दिए। डाकुओं ने श्री विक्रम सिंह और उनके दल पर मेनेड और स्वचालित हथियारों से हमला किया। अपनी सुखाकारी परवाह न करते हुए पुलिस दल ने पकड़ा इराबा कर डाकुओं का पीछा किया और अस्तव खतरनाक डाकू महाबीर और उसके दो साथियों का रोड लालू की गोली से भार भिराने में सफल हो गया।

इस मुठभेड़ में श्री विक्रम सिंह, पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक, श्री प्रभर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, श्री राम चरण सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट धीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपराणयता का परिचय दिया।

ये पवक पुलिस पदक का भार के नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत पता भी दिनांक 22 मार्च, 1982 से दिया जाएगा।

सं ३७—प्रेज़/४५—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के नियमावली के अन्तर्गत अधिकारी को उनकी धीरता के लिए पुलिस पवक महर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री शांति स्वरूप शर्मा,
कम्पनी कमाण्डर,
१५वीं बड़ालियन,
पी० ए० सी०,
आगरा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पवक प्रदान किया गया।

२२ मार्च १९८२, को एक मुख्यबिर ने सूचित किया कि महाबीर अपने गिरोह के साथ गांव जहान नगर, आना प्रलीगंज में उपस्थित था। तुरन्त पांच छापामार दल बनाए गए। श्री विक्रम सिंह, पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक, श्री प्रभर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, और श्री शांति स्वरूप शर्मा, कम्पनी कमाण्डर, पी० ए० सी०, आगरा, मूल्य आक्रमण दल में थे। श्री राम चरण सिंह को बिना धर्वी में दल का भार दिया गया जिसको एक निरोधक दल के रूप में कार्य करना था। पुलिस पहुंचने का भाभास होने पर गिरोह ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी और सीबारी की आड़ में बच कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने गिरोह का पीछा लिया और भारी तथा लगातार गोलीबारी के बावजूद बचकर भाग निकलने में भी मार्ग बन्द कर दिए। डाकुओं ने श्री विक्रम सिंह और उनके दल पर ग्रेनेड और स्वचालित हथियारों से हमला किया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए पुलिस दल ने पवका हरावा कर डाकुओं का पीछा किया और अस्त सतरनाक डाकू सहायी और उसके दो साथियों कारे और लालू को गोली से मार गिराने में सफल हो गया।

इस मुठभेड़ में श्री शांति स्वरूप शर्मा, कम्पनी कमाण्डर, ने उत्कृष्ट धीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपराणयता का परिचय दिया।

यह पवक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत पता भी दिनांक 22 मार्च 1982, से दिया जाएगा।

के० सी० सिंह, राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना मंत्रालय

संस्थियकी विभाग

नई विल्ली-१, दिनांक 14 मार्च 1985

एडोडन

सं ० एम०-१३०१६/१२/८४—समन्वय—कृपया कीमतें तथा जीवन-निवाह लागत सांख्यिकी संबंधी तकनीकी सानाहकार भवित्व के गठन के बारे में इस विभाग की दिनांक 22-८-१९८४ की अधिसूचना सं ० एम०-१३०१६/१२/८४—समन्वय के पैरा १ की क्रम सं ० १७ के बावजूद निम्नलिखित जोड़े :—

१८. आधिक एवं सांख्यिकी निशेशक,

महाराष्ट्र सरकार,

बी० ई० बिल्डिंग, पुराना कस्टम हाउस,

बम्बई-४०००२३।

प्रार० एम० सुन्दरम, भवर सचिव

श्रीयोगिक विकास विभाग,

तकनीकी विकास महानिवेशालय

नई विल्ली, दिनांक ४ मार्च १९८५

संकल्प

सं ० ग्लास/१०(४)/८३—सरकार ने २९-१०-१९८३ के संकल्प सं ० ग्लास/१०(४)/८३ के अधीन भारत के राजपत्र में प्रकाशन की सिद्धि से दो धर्मों की अवधि के लिए ग्लास तथा ग्लासबेयर उद्योग की विकास नामिका का पुनर्गठन किया है।

उक्त संकल्प १०-११-१९८३ को भारत के राजपत्र के भाग—I—खण्ड—१ में प्रकाशित किया गया था।

नामिका के सदस्य, श्री शार्दूल एच० पद्मसी का निवन्ध हो जाने के कारण, उनके स्थान पर श्री ए० सी० पद्मसी को लेने का निर्णय किया गया है।

श्री संजय तकतवाला के स्थान पर श्री सी० ए० तकतवाला की नामिका के सदस्य के रूप में लेने का निर्णय किया गया है यद्योंकि श्री संजय तकतवाला का अब ग्लास तथा ग्लासबेयर उद्योग से कोई सम्बन्ध नहीं है।

तकनीकी विकास महानिवेशालय के अपर श्रीयोगिक सचाहकार, श्री जी० एल० केसवामी को नामिका के सदस्य के रूप में लेने का भी निर्णय किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि आम सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० गंजदाल, निदेशक (प्रशासन)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई विल्ली, दिनांक १८ मार्च १९८५

संकल्प

सं ० १४०२८/१/८५—प्रथम प्रशा०—कृषि मूल्य आयोग को, जिसका गठन आवश्यक निवाह लागत सांख्यिकी संबंधी तारीख ३-१-१९६५ के संकल्प में मूल रूप से रखा गया तथा तदनुसार कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के संकल्प संख्या ६-२/६५-सी० (ई) तारीख ८-१-१९६५ द्वारा किया गया था, तकाल से कृषि लागत और मूल्य आयोग के नाम से जाना जाएगा।

आयोग के विवाहार्थी विषयों में उत्परोक्त तारीख ३-१-१९६५ के संकल्प में मूल रूप से रखा गया तथा तदनुसार कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के संकल्प संख्या १४०११/२/७८—प्रथम नीति तारीख ५-३-१९८० द्वारा संशोधित विषयों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, सभी राज्यों तथा संघ राज्य शेष की सरकारों, योजना आयोग मंत्रिमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सन्निवालय, राज्य सभा सचिवालय, प्रधानमंत्री वायालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्रक तथा कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के सभी संसद और अधीनस्थ कार्यालयों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि आम जामकारी के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० सुब्रह्मण्यम, सचिव

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1985

संकल्प

विषय :—सिन्धी सलाहकार समिति का पुनर्गठन।

सं. एफ. ८-१/८५-ईस्ट-३ (भाषा) — शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 1972 में आयोजित सिन्धी भ्रष्टेताओं तथा लेखकों के प्रबंधित भारतीय सम्मेलन में की गयी सिफारिशों के अनुसरण में सिन्धी में मानक साहित्य तैयार करने की एक योजना तैयार की गयी थी। योजना भारत सरकार द्वारा वर्ष 1975 में शुरू की गयी थी। सिन्धी भाषा के विशिष्ट भ्रष्टेताओं तथा शिक्षाविदों की एक सिन्धी सलाहकार समिति नियुक्त की गयी। सिन्धी सलाहकार समिति का समय-समय पर पुनर्गठन किया गया है। इसका अन्तिम पुनर्गठन वर्ष 1975 में किया गया था।

२. समिति बाल साहित्य संबंधी पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, विषय-कोष तथा पाठ्य-पुस्तकों सहित सिन्धी में वैशिक्त तथा व्याप्त साहित्य तैयार करने में भारत सरकार को व्यापक ढंग से सलाह देती। समिति में व्याक्त बातों के साथ-साथ इसके सदस्यों में सिन्धी भाषा को विश्वात् व्याधता भी शामिल होंगे। उनकी समिति में उपस्थिति का लाभ भारत सरकार द्वारा उनसे सम्बन्धित ऐसे ही वैशिक मामलों में समिति की सलाह लेकर प्राप्त किया जाएगा।

३. कार्य : समिति जा कार्य सरकार की निम्नलिखित कार्यों में सलाह देता है :

- (क) विज्ञान तथा आधुनिक ज्ञान की व्याप्त शास्त्राओं से सम्बन्धित पुस्तकों, बाल साहित्य, सन्दर्भ कृतियाँ, विषवकोश वृन्दावादी पाठ्य ग्राहित सहित सिन्धी में साहित्य तैयार करना;
- (ख) सिन्धी की प्रोग्राम से सम्बन्धित मामलों में जिन्हें समिति को भेजा जाएगा; तथा
- (ग) सिन्धी की प्रोग्राम के लिए ऐसे समारोह आयोजित करना जो इस समय-समय पर भारत सरकार को सौंपे जाएंगे।

४. संरचना : सिन्धी सलाहकार समिति में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

(i) व्यष्टि	केन्द्रीय शिक्षा मंत्री	प्रबंधित सम्बन्धित
(ii) डा० मोतीलाल जोट्यानी दिल्ली	शिक्षा मंत्रालय	उपाध्यक्ष
(iii) प्रभ्रेता प्रो० राम पंजाबी बम्बई	सरकार	
(iv) प्रो० हरी दिलगीर दरयानी धाविपुर (कर्ण)	सदस्य	
(v) श्री लक्ष्मी खिलानी कलकत्ता	सरकार	
(vi) श्री गोविन्द मलाही बम्बई	सरकार	
(vii) श्री गोवर्धन माहशूरी भारती ^१ भजमेर।	सदस्य	
(viii) डा० (झुमारी) पीपासी हीरानन्दानी बम्बई	सरकार	
(ix) श्री ब्याल दास फौज भोपाल	सरकार	
(x) डा० एम० के० जेतली दिल्ली ।	सरकार	
(xi) डा० भारतीय भारतानी वाराणसी ।	सरकार	
(xii) प्रो० सी० जे० वेश्वानी पुणे ।	सरकार	

(xiii) श्री अगवान देव भाजार्य
दिल्ली ।

निम्नलिखित सौचित्रिक संगठनों में से एकप्रतिविधि दूसरा सरकार सम्बन्धित होगा :—

(xiv) अखिल भारतीय सिन्धी बोली साहित्य तथा कला विकास समा बम्बई ।

(xv) अखिल भारती सिन्धी बोली तथा साहित्य समा बम्बई ।

(xvi) मध्य प्रदेश सिन्धी समाज इन्होर ।

(xvii) मध्य प्रदेश लेखक मंच भोपाल ।

(xviii) मध्य प्रदेश सिन्धी राइटर्स गिल्ड, भोपाल ।
पवेन-सरकार

(xix) साहित्य अकादमी का व्यापक व्यवस्था उसका नामांकित व्यक्ति ।

(xx) राष्ट्रीय पुस्तक व्यास का व्यापक व्यवस्था उसका नामांकित व्यक्ति ।

(xxi) संयुक्त शिक्षा सलाहकार (भाषा) शिक्षा मंत्रालय ।

(xxii) वित्तीय सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय ।

(xxiii) निदेशक केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय। नई दिल्ली ।

(xxiv) निवेशक उर्दू प्रोबंधित ब्यूरो नई दिल्ली ।

(xxv) निवेशक (भाषा) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली—सरकार सचिव ।
सरकारों का कार्यकालदो वर्ष का होगा। पवेन-सरकार तब तक सरकार रहेंगे।

जब तक वे उस पद पर कार्य करते रहेंगे जिसके लिए वह समिति के सदस्य रहे। यदि त्यागपत्र मृत्यु भावित के कारण समिति में कोई रिक्त होती है तो उस रिक्त पर नियुक्त किया गया यहां सरकार वी वर्षों की बकाया व्यवस्था के लिए सरकार होगा ।

५. बैठकों : समिति की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार शवस्य होगी । तथापि बैठक कभी भी मूलाई जा सकती है जैसा उचित समझा जाएगा ।

६. सचिवालय : केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय (सिन्धी एकक) समिति के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा ।

७. विषय तालिका/कार्य वस्तु/उप-समितियाँ : समिति को अपने कार्यों के निष्पादन के सम्बन्ध में यथा अंतिमिति विषय तालिका/कार्य वस्तु/उप-समितियाँ गठित करने का अधिकार होगा ।

आदेश-

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपियाँ, सिन्धी सलाहकार समिति के सभी सदस्यों, बैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली भाषावोग के व्यवस्था, विषवकालालय अनुदान भाषावोग के व्यवस्था, बैज्ञानिक और ग्रोबोगिक अनुसंधान परिवद के महानिवेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान के निवेशक, उर्दू प्रोबंधित ब्यूरो, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिवद के ग्रन्थालयों, सभी भुलपत्रियों, प्रशान्त मंडली के कार्यालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना भाषावोग, राष्ट्रपति सचिवालय और भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाएं ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि वह संकल्प भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए ।

टी० एन० दर, संयुक्त शिक्षा सलाहकार भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं. एफ. 10-7/79 बी० पी० य० :—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) विभागीय, 1976 के नियम 10 के उप नियम 4 के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा उर्दू प्रोबंधित ब्यूरो के कारबालय की व्यवस्था गठित करती है, जिसके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य साक्षक ज्ञान प्राप्त कर लिया है ।

एस० प्रार० चिह्न, ग्राहायक शिक्षा सलाहकार

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 30th March 1985

No. 32-Pres/85.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of Delhi Police :—

Names and rank of the officers

Shri Jaswant Singh, Sub-Inspector (No. D/850). (Posthumous)

Shri Malkiat Singh, Head Constable (No. 325/C).

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 4th June, 1984, five armed dacoits entered in the State Bank of Bikaner and Jaipur, New Rohtak Road, New Delhi, and looted cash amounting to Rs. 2,82,000/- and Rs. 1,25,000/- from the Cashier at pistol point. The incident of dacoity was reported to Sub-Inspector Jaswant Singh, Incharge of the Police Post, by a canteen boy. Immediately Shri Jaswant Singh, rushed to the spot on his scooter alongwith Shri Charan Singh, Asstt. Sub-Inspector and Shri Malkiat Singh, Head Constable. On seeing the Police Party, the dacoits came out of the Bank and started firing indiscriminately. One of the bullets hit Shri Jaswant Singh in his hand but he was undeterred and challenged them. Shri Jaswant Singh, Sub-Inspector and Shri Malkiat Singh, Head Constable kept advancing towards the criminals in utter disregard to their own safety. Shri Jaswant Singh was again hit which proved fatal and he fell down. But Shri Malkiat Singh continued blowing his lathi till he was also incapacitated by the bullets fired by criminals. Meanwhile AST Charan Singh, who had found cover opened fire at the criminals. The criminals then decided to escape. In their hurried bid to escape the dacoits left behind the entire looted amount. Shri Jaswant Singh and Shri Malkiat Singh were removed to Dr. Ram Manohar Lohia Hospital where the former was declared dead.

Shri Jaswant Singh, Sub-Inspector and Shri Malkiat Singh, Head Constable exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th June, 1984.

No. 33-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Maharashtra Police :—

Name and rank of officer

Shri Nandakumar Umakant Gokhale, Sub-Inspector of Police, (Posthumous) Greater Bombay.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the night of the 18th May, 1984, serious communal incident and riots broke out between two communities in different parts of Bombay City. The entire staff of Nagpada Police Station was deployed to maintain law and order in the city. At about 22.15 hours on the same day information was received by Nagpada Police Station about a major incident of confrontation between two communities in Kamathibura. There was hardly any available force in the Police Station at that time. Sub-Inspector Nandakumar Umakant Gokhale realising the urgency and seriousness of the situation and responding to a call of duty took with him another Police Sub-Inspector and rushed to the spot on the motor-cycle. On reaching there, they found that stones and soda water bottles and other missiles were being freely exchanged causing serious injuries to the members of both communities. Both the Police Sub-Inspectors tried to control the mob but in vain. Sub-Inspector Gokhale chased the violent mob with the assistance of only three Policemen. He attempted single handed to push them back and disperse them. In the process he penetrated deep into the crowd and lost contact with other members of the Police Party. Taking advantage of the darkness and congested area, the miscreants encircled and over-powered Shri Gokhale and killed him brutally.

Shri Nandakumar Umakant Gokhale, Sub-Inspector, thus displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order in complete disregard to his personal safety.

The award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th May, 1984.

No. 34-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Vikram Singh, Senior Superintendent of Police, Etah.

Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector, Aliganj, Distt. Etah.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 19th May, 1982, information was received that dacoit Pothi alongwith his gang would assemble near village Bithera, Police Station Aliganj. Dacoit Pothi was involved in about 52 heinous offences and was also responsible for the Nathuapur case in which Inspector Incharge of Police Station, Aliganj, 9 Policemen and 3 members of the public were brutally killed. He was wanted by the police and a reward of Rs. 10,000/- was carried on his head.

The available police force was requisitioned and it was decided to surround the gang from three sides. Shri Vikram Singh, Senior Superintendent of Police was leading one of the three parties. Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector was rendering active help to Shri Vikram Singh in the operation. The dacoits were asked to surrender but they started firing indiscriminately at the police party. They were well entrenched due to the presence of trees, drains and walls but the police parties were in the open without any cover. The dacoits threw a hand-grenade at Shri Vikram Singh but he had a miraculous escape. The dacoits then opened heavy fire from automatic and semi-automatic weapons. In spite of the heavy fire and desperate attack by the dacoits, the police launched a commando attack and succeeded in killing the two dacoits Punna and Pothi. A shotgun with 4 rounds in the magazine and 18 live rounds, a .303 service rifle alongwith 36 rounds, were recovered from them.

In this encounter Shri Vikram Singh, Senior Superintendent of Police and Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th May, 1982.

No. 35-Pres/85.—The President is pleased to award Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the officers

Shri Amar Singh, Deputy Superintendent of Police, (2nd Bar) Etah.

Shri Ram Charan Singh, Inspector of Police, (1st Bar) Aliganj, Distt. Etah.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 19th May, 1982, information was received that dacoit Pothi alongwith his gang would assemble near village Bithera, Police Station Aliganj. Dacoit Pothi was involved in about 52 heinous offences and was also responsible for the Nathuapur case in which Inspector incharge of Police Station Aliganj, 9 Policemen and 3 members of the public were brutally killed. He was wanted by the police and a reward of Rs. 10,000/- was carried on his head.

The available police force was requisitioned and it was decided to surround the gang from three sides. Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police and Shri Ram Charan Singh, Inspector were leading two of the three police parties. The dacoits were asked to surrender but they started firing indiscriminately at the police parties. They were well entrenched due to the presence of trees, drains and constructions around the walls but the police parties were in the open without any cover. The dacoits threw a handgrenade at the police parties which burst very close to Shri Vikram Singh, Sr. Supdt. of Police but he had a miraculous escape. The dacoits then opened heavy fire from automatic and semi-automatic weapons. In spite of the heavy fire and desperate attack by the dacoits, the police parties launched a commando attack and succeeded in killing the two dacoits Punna and Pothi. A sten gun with 4 rounds in the magazine and 18 live rounds, a .303 service rifle alongwith 36 rounds, were recovered from them.

In this encounter Shri Amar Singh, Dy. Supdt. of Police and Shri Ram Charan Singh, Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th May, 1982.

No. 36-Pres/85.—The President is pleased to award the Bar to Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the officers

Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of Police, Etah.	(1st Bar)
Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, Etah.	(3rd Bar)
Shri Ram Charan Singh, Inspector of Police, Aldiganj, Etah.	(2nd Bar)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 22nd March, 1982, an informer reported that Mahabira alongwith his gang was present in village Jahan Nagar, Police Station Aldiganj. Immediately five raiding parties were formed. Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of Police, Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, and Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, PAC, Agra, were in the main assault party. Shri Ram Charan Singh was given charge of the party in plain clothes which was to act as a stopper. On sensing the approach of the police, the gang opened heavy fire and tried to escape under the cover of fire. The police chased the gang and closed the possible escape route in the face of heavy and continuous fire. The dacoits attacked Shri Vikram Singh and his party with grenades and automatic weapons. In complete disregard of their personal safety the police party charged the dacoits with determination and ultimately was successful in gunning down the dreaded dacoit Mahabira and his two associates Karr and Laloo.

In this encounter Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of police, Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, and Shri Ram Charan Singh, Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Bar to Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 22nd March, 1982.

No. 37-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :

Name and rank of the officer

Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, 15th Bn., PAC, Agra.
--

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 22nd March, 1982, an informer reported that Mahabira alongwith his gang was present in village Jahan Nagar, Police Station Aldiganj. Immediately five raiding parties were formed. Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of Police, Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, and Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, PAC, Agra, were in the main assault party. Shri Ram Charan Singh was given charge of the party in plain clothes which was to act as a stopper. On sensing the approach of the police, the gang opened heavy fire and tried to escape under the cover of fire. The dacoits attacked Shri Vikram Singh and his party with grenades and automatic weapons. In complete disregard of their personal safety the police party charged the dacoits with determination and ultimately was successful in gunning down the dreaded dacoit Mahabira and his two associates Karr and Laloo.

In this encounter Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 22nd March, 1982.

K. C. SINGH,
Deputy Secretary to the President

MINISTRY OF PLANNING

DEPARTMENT OF STATISTICS

New Delhi-110001, the 14th March 1985

ADDENDUM

No. M-13016/12/84-Coord.—After Sl. No. 17 of Para 1 of this Department's Notification No. M. 13016/12/84-Coord. dated 22-8-1984 regarding constitution of the Technical Advisory Committee on Statistics of Prices and Cost of Living, Please add the following :—

- | | |
|---|--------|
| 18. Director of Economics and Statistics,
Government of Maharashtra,
D. D. Building, Old Customs House,
Bombay-400023. | Member |
|---|--------|

R. M. SUNDARAM, Under Secy.

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL
DEVELOPMENT

New Delhi, the 20th March 1985

RESOLUTION

No. Glass 10(4)/83.—Vide Resolution No. Glass/10(4)/83 dated 29-10-1983 Government has re-constituted the Development Panel for Glass & Glassware Industry for a period of 2 years from the date of publication of the Resolution in Gazette of India.

The said Resolution was published in Part I Section 1 of Gazette of India dated 19-11-1983.

Due to sad demise of Shri I. H. Padamsee, member of the Panel, it has been decided to induct Shri A. C. Padamsee in his place.

In place of Shri Sanjay Taktawala, it has been decided to take Shri C. A. Taktawala as a member of the Panel, since Shri Sanjay Taktawala is no longer involved with the Glass & Glassware Industry.

It has also been decided to induct Shri G. K. Geshwani, Additional Industrial Adviser, DGTD, as a member of the Panel.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL, Director (Adm.)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

New Delhi, the 18th March 1985

RESOLUTION

No. 14028/1/85-Econ. Admn.—The Agricultural Prices Commission, which was set up vide Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture) Resolution No. 6-2/65-C(E) dated 8-1-1965, will now be known as Commission for Agricultural Costs and Prices with immediate effect.

The terms of reference of the Commission, as originally set out in the Resolution dated 8-1-1965, referred to above, and subsequently revised vide Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation)'s Resolution No. 14011/2/78-Econ.Py. dated 5-3-1980 remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Prime Minister's Office, Comptroller and Auditor General of India and all Attached and Subordinate Offices under the Ministry of Agriculture and Rural Development (Department of Agriculture and Cooperation).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. SUBRAMANIAN, Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 1st March 1985

RESOLUTION

Subject :—Reconstitution of the Sindhi Advisory Committee.

No. F. 6-1/85-D.3(L).—In pursuance of the recommendations made in all India conference of Sindhi scholars and writers convened by the Ministry of Education in 1972, a scheme for production of standard literature in Sindhi was prepared. The scheme was launched in 1975 by the Government of India. A Sindhi Advisory Committee consisting of outstanding scholars and academicians of Sindhi language was appointed. The Sindhi Advisory Committee has been re-constituted from time to time. It was last re-constituted in 1978.

2. The Committee would be required to advise the Government on the best manner for the production of academic and other literature in Sindhi, including books on children's literature, reference books, encyclopaedia and text-books. The Committee will, *inter-alia*, include among its members eminent scholars of Sindhi language. Advantage of their presence on the Committee will be taken by the Government to obtain the Committee's advice on such educational matters as may be referred to it.

3. Functions : The functions of the Committee will be to advise the Government :

- (a) on production of literature in Sindhi, including books on science and other branches of modern knowledge, children's literature, reference works, encyclopaedias basic text, etc.;
- (b) on matters, concerning the promotion of Sindhi as may be referred to it; and
- (c) to undertake such functions for the promotion of Sindhi as may be assigned to it by the Government from time to time.

4. Composition : The Sindhi Advisory Committee shall consist of the followings :—

Chairman

- (i) Union Education Minister, Ministry of Education *Ex-officio.*

Vice-Chairman

- (ii) Dr. Motilal Jotwani, Delhi.

Members

- (iii) *Scholars*
Prof. Ram Panjwani,
Bombay.
- (iv) Prof. Hari Dilgir Daryani,
Adipur (Kutch).
- (v) Shri Lakshmi Khilani,
Calcutta.
- (vi) Shri Gobind Malhi,
Bombay.
- (vii) Shri Goverdhan Mahbooni Bharti, Ajmer.
- (viii) Dr. (Miss) Popati Hiranandani, Bombay.
- (ix) Shri Khial Das Fanj,
Bhopal.
- (x) Dr. M. K. Jetley, Delhi.
- (xi) Dr. Naryani Samtani,
Varanasi.
- (xii) Prof. C. J. Deswani, Pune.
- (xiii) Shri Bhagwan Dev Acharya,
Delhi.

One representative from each of the following Voluntary Organisation, shall be a member.

- (xiv) All India Sindhi Boli, Sahitya and Kala Vikas Sabha, Bombay.
- (xv) Akhil Bharati Sindhi Boli and Sahitya Sabha, Bombay.
- (xvi) Madhya Pradesh Sindhu Smaj, Indore.
- (xvii) Madhya Pradesh Lekhak Manch, Bhopal.
- (xviii) Madhya Pradesh Sindhi Writers Guild, Bhopal.

Ex-Officio Members

- (xix) Chairman or his nominee of the Sahitya Academy, New Delhi.
- (xx) Chairman or his nominee of National Book Trust.
- ((xxi) Joint Education Adviser (Languages), Ministry of Education.
- (xxii) Financial Adviser, Ministry of Education.
- (xxiii) Director, Central Hindi Directorate, New Delhi.
- (xxiv) Director, Bureau for Promotion of Urdu, New Delhi.

Member-Secretary

- (xxv) Director (Languages), Ministry of Education, New Delhi.

The tenure of members shall be two years. Ex-Officio members shall continue as members so long as long as they hold office by virtue of which they are members of the Committee.

If a vacancy arises on the Committee due to resignation, death, etc., the member appointed against that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of two years.

5. Meetings : The Committee shall meet not less than once a year. Meeting may, however, be convened at any time as may be deemed necessary.

6. Secretariat : The Central Hindi Directorate (Sindhi Unit) shall function as the Secretariat of the Committee.

7. Subject Panel/Working Groups/Sub-Committees: The Committee shall have powers to constitute subject panels Working Groups/Sub-Committees, as necessary, in connection with the discharge of its functions.

ORDER

ORDERED that copies of the Resolution be communicated to all members of the Sindhi Advisory Committee; Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology, Chairman, University Grants Commission, Director General, Council of Scientific and Industrial Research, Director, Central Institute of Indian Languages, Director, Bureau for Promotion of Urdu, Kendriya Hindi Sansthan, Rashtriya Sanskriti Sansthan, Central Institute of English and Foreign Languages, National Council for Education Research and Training, all Vice-Chancellors, Prime Minister's Office, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha

Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, and Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

T. N. DHAR, Jt. Educational Adviser

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 6th February 1985

No. F. 10-7/79-BPU.—The Central Government/Bharat Bhawan, in pursuance of sub-rue 4 of rule 10 of Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules 1976, hereby notify the office of the BUREAU FOR PROMOTION OF URDU, the staff of which have acquired working knowledge of Hindi

S. R. SINGH, Asstt. Educational Adviser